चुनौतियाँ और समाधान

भाग–दो

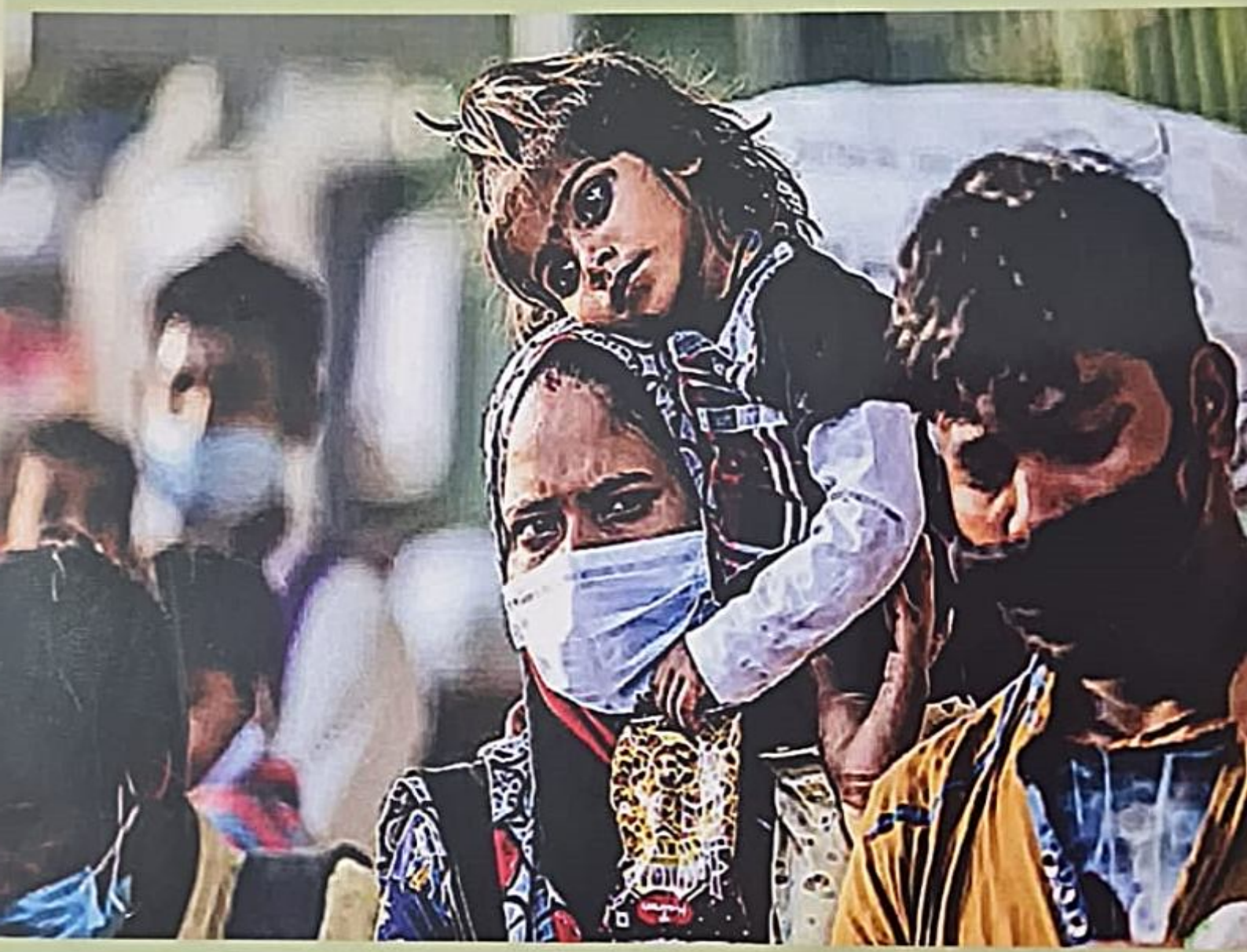

सम्पादक
डॉ. मनीष वाघेला
डॉ. केतन शाह

14.	प्रवासी मजदूरों की समस्यायें और समाधान - हिन्दी काव्यधारा से होते हुए	– डॉ. गायत्रीदेवी जे. लालवानी	86
15.	समकालीन कविता के केन्द्र में मजदूर	– डॉ. पुष्पा देवी	94
16.	समकालीन कविता के केन्द्र में मज़दूर	– डॉ. प्रिया ए.	103
17.	समकालीन कविता के केन्द्र में मजदूर	– पूनम कुमारी	109
18.	प्रगतिवादी काव्यधारा में श्रमिकों का हृदयद्रावक चित्रण	– डॉ. अर्पिता अग्रवाल	116
19.	प्रगतिवादी काव्यधारा में श्रमिकों का हृदयद्रावक चित्रण	– डॉ. सलीम बाणदार	123
20.	हिन्दी मंचीय कविता में ग्रामीण निर्धनता	– डॉ. अनिरुद्ध कुमार अवस्थी	127
21.	मार्क्सवादी दर्शन और हिन्दी कविता	– डॉ. रमेश प्रसाद	137
22.	साहित्यकार नागार्जुन की श्रमिक-चेतना एवं वर्तमान सन्दर्भों में प्रासंगिकता	– डॉ. दीपा त्यागी	143
23.	नागार्जुन की कविताओं में श्रमिक-वर्ग का मार्मिक वर्णन	– डॉ. हिरजीभाई सींच	149
24.	अरुण कमल की कविताओं में मजदूरों का चित्रण	– डॉ. ज्योत्सना गोस्वामी	152
25.	बाबा नागार्जुन की कविता में मजदूरों का जीवन-चित्रण	– डॉ. एस. सूर्यावती	160
26.	मुक्तिबोध की कविता और सर्वहारा वर्ग	– अभीप्सा पटेल	165
27.	धूमिल के काव्य में ग्राम्य संस्कृति और किसानों की दुर्दशा का चित्रण	– दिवाकर सिंह राठौर	169
28.	प्रगतिवादी काव्यधारा में श्रमिकों का हृदय-विदारक चित्रण	– आरती सिंह राठौर	176
29.	मार्क्सवादी दर्शन और हिन्दी प्रगतिवादी कविता	– कु. कंचन	182
30.	प्रगतिवादी काव्यधारा में श्रमिकों का हृदयद्रावक चित्रण	– निधी कुमारी	187
31.	समकालीन कविता के केन्द्र में मजदूर	– रबारी हंसा ममुभाई	194
32.	प्रगतिवादी काव्य में श्रमिकों की अन्तर्वेदना	– सुरेश कुमार प्रजापति	198

खंड-3 : हिन्दी कहानियों में मजदूरों का चित्रण / 205

33.	हिन्दी कहानी में मजदूरों का संवेदनात्मक चित्रण	– डॉ. अरुणा चौधरी	207

वैधानिक चेतावनी
पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार मूल रचनाकार/रचनाकारों के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक अथवा सम्पादक/सम्पादकों इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय दिल्ली ही मान्य होगा।

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2021

ISBN 978-93-89341-87-4

प्रकाशक

अनुज्ञा बुक्स

1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032
e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com
फोन : 011-22825424, 7291920186, 09350809192
www : anuugyabooks.com

मूल्य : 900 रुपये

आवरण
असरार 'सागरी'